राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 304 | जौनपुर | मंगलवार, 24 जून 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय लालबाग, लखनऊ द्वारा एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन सरोजनी नगर ब्लाक परिसर में किया गया। इस रोजगार मेले में 13 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया। उपस्थिति अभ्यर्थियों में से 429 का चयन किया गया। इस अवसर पर सरोजनी नगर विधायक प्रतिनिधि इंजीनियर अजीत सिंह एवं के०एन० सिंह तथा देवभाटिया सहित सरोजनी नगर क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थिति रहें। मेले का उदघाटन इंजीनियर अजीत सिंह विधायक प्रतिनिधि द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रभारी जिला रोजगार सहायता अधिकारी प्रज्ञा त्रिपाठी एवं रश्मि यादव ने नियोजक एवं आगन्तुक अभ्यर्थियों का स्वागत करते हुए।

संक्षिप्त खबरें

दिव्यांग व्यक्ति की हत्या के आरोप में मेइती संगठन का एक नेता गिरफ्तार

मणिपुर, (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में एक दिव्यांग व्यक्ति की हत्या में कथित संलिप्तता के लिए मेइती संगठन अरम्बाई तेंगोल (एटी) के एक नेता को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को एक बयान में बताया कि गिरफ्तार एटी नेता की पहचान युमनाम हुइड्रोम थियाम लीशांगखोंग निवासी लोंगजाम खाबा सिंह (35) के रूप में हुई है। वह पाओबिटेक मयाई लेइकाई के मोहम्मद चेसम अब्दुल कादिर की हत्या का मुख्य आरोपी है। इसमें बताया गया है कि उसे रविवार को पुथिबा लाईबुंग कॉम्प्लेक्स के पास मोंगसांगेई माखा लीकाई अरुबाम लीकाई से गिरफ्तार किया गया है। बयान के अनुसार, अभी तक इस हत्या के संबंध में एटी के सात सदस्यों समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। चेसम 11 जून की मध्यरात्रि को लापता हो गया था और बाद में उसका शव इंफाल पश्चिम जिले में सामुरोऊ नाओरेम में मिला था, जहां उसे दफना दिया गया था। बयान में कहा गया है कि 17 जून को एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट, फोरेंसिक टीम और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में शव को बाहर निकाला गया। इस हत्या के विरोध में प्रदर्शन हुए और इंफाल घाटी में कई मुस्लिम संगठनों ने इसकी निंदा की थी।

उमर अब्दुल्ला ने पहलगाम में पर्यटन बहाल करने के प्रयासों पर संतोष जताया

जम्मू कश्मीर, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि कश्मीर में पर्यटन को फिर से पटरी पर लाने के लिए उनके और उनके सहयोगियों द्वारा किए गए प्रयासों के परिणाम सामने आ रहे हैं और पर्यटक घाटी में लौट रहे हैं। अब्दुल्ला ने पहलगाम में पर्यटन को फिर से बहाल करने के प्रयासों पर संतोष जताते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पिछली बार जब मैं पहलगाम गया था, तो मैंने एक ऐसे बाजार में साइकिल चलायी थी जो लगभग सुनसान था। आज, मैं पहलगाम में वापस आया तो वहां चहल–पहल है।'' उन्होंने कहा कि देशभर के विभिन्न हिस्सों से पर्यटक यहां आए हैं और उनके साथ ही स्थानीय पर्यटक भी ठंड और बारिश के मौसम का लुत्फ उठा रहे हैं। बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद पहलगाम में पर्यटन बुरी तरह प्रभावित हुआ था। इस हमले में 25 पर्यटक और खच्चर सेवा संचालित करने वाले एक स्थानीय व्यक्ति की मौत हो गयी थी। अब्दुल्ला ने कहा, ''यह देखकर बहुत संतोष हो रहा है कि मेरे सहकर्मियों और मेरे द्वारा किए गए प्रयासों के परिणाम धीरे–धीरे सामने आ रहे हैं।

अखंड भारत के लिए दिया था बलिदान : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोमवार को भाजपाइयों ने जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिविल अस्पताल पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पार्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सूर्य प्रताप शाही समेत अन्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज ही के दिन 1953 में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अखण्ड भारत के लिए बलिदान दिया था। स्वतंत्र भारत में कैबिनेट मंत्री के रूप में उन्होंने देश को अपने विजनरी नेतृत्व में लाभान्वित किया। देश की औद्योगिक नीति तय करने में बड़ी भूमिका निभाई। सीएम ने आगे कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने आजादी के तत्काल बाद राष्ट्रीय एकता और अखंडता के साथ किए जा रहे खिलवाड़ को देखते हुए इस्तीफा दिया। भारतीय जन संघ के पहले अध्यक्ष के रूप में देश में एक नई राजनीतिक शुरुआत को आगे बढ़ाया था। डॉ. मुखर्जी ने जम्मू कश्मीर की जेल में दिया बलिदान

सीएम योगी ने कहा कि तत्कालीन सरकार ने वर्ष 1952 प्रथम आम चुनाव के बाद देश के संविधान में धारा 370 को टाल करके राष्ट्रीय एकता को चुनौती दी थी। इसके साथ ही कश्मीर में परमिट सिस्टम लागू किया गया। सरकार के लोगों ने ही देश की सुरक्षा के साथ राष्ट्रीय एकता और अखंडता को चुनौती देने का काम किया। इस पर डॉ. मुखर्जी ने एक देश में एक प्रधान, एक विधान और एक निशान का उद्घोष करते हुए कश्मीर में प्रवेश किया था। इस दौरान उन्हे गिरफ्तार कर लिया गया। जम्मू कश्मीर की जेल में उन्होंने 23 जून 1953 को बलिदान दे दिया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में आगे कहा कि डॉ. मुखर्जी ने वर्ष 1953 में जो सपना देखा था, श्एक भारत...अखंड भारत और सुरक्षित भारतश का उसे साकार होने में 65 से 66 वर्ष लगे। जब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पांच अगस्त 2019 को कश्मीर में धारा 370 समाप्त हुई। आज जम्मू कश्मीर लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों के साथ भारत के संविधान की भावनाओं के अनुरूप एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पनाओं को साकार कर रहा है।

वहनीयता अब एक नारा नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि वहनीयता अब एक नारा नहीं बल्कि एक आवश्यकता है। राष्ट्रीय राजधानी में 'इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया' के 12वें राष्ट्रीय छात्र दीक्षांत समारोह 2025 में राष्ट्रपति ने यह बात कही। जलवायु परिवर्तन के संकट का उल्लेख करते हुए मुर्मू ने कहा, '' वहनीयता अब एक नारा नहीं रह गया है, बल्कि यह एक आवश्यकता बन गई है।'' उन्होंने यह भी कहा कि अब समय वह नहीं है कि कॉरपोरेट संगठन केवल लाभ कमाने के उद्देश्य से काम करें बल्कि अब उन्हें पर्यावरणीय लागतों को ध्यान में रखना होगा। मुर्मू ने कहा, '' इसमें आप (लागत लेखाकार) अपने कौशल से ग्रह के भविष्य में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि लेखांकन और जवाबदेही का संबंध गहरा है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद असम में 97 `राष्ट्र विरोधी' गिरफ्तार : हिमंत

पहलगाम, (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद असम के विभिन्न हिस्सों से कथित तौर पर 'हिंदू विरोधी' होने के आरोप में दो और लोगों को गिरफ्तार किए जाने के बाद अब तक ऐसे मामलों में कुल 97 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को यह जानकारी दी। शर्मा ने 'एक्स' पर लिखा कि तिनसुकिया और नगांव जिलों से एक–एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, ''हिंदू विरोधी तत्वों पर कार्रवाई जारी... 97 राष्ट्र विरोधी और हिंदू विरोधी अपराधी अब सलाखों के पीछे।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि तिनसुकिया से गिरफ्तार व्यक्ति ने हिंदू धर्म पर आपत्तिजनक सामग्री सोशल मीडिया पर साझा की थी, जबकि नगांव के आरोपी ने भगवान राम पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। इससे पहले, विपक्षी एआईयूडीएफ विधायक

अमीनुल इस्लाम को पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान और उसकी मिलीभगत का कथित तौर पर बचाव करने के लिए देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मामले में जमानत मिलने के बाद, इस्लाम को फिर से राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिया गया। शर्मा ने दो मई को जम्मू–कश्मीर आतंकी हमले के बाद 'पाकिस्तान जिंदाबाद' का नारा लगाने वालों की 'टांगें तोड़ने' की धमकी दी थी। पंचायत चुनावों के लिए एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय सेना को ताकत देने और प्रार्थना करने की अपील की थी, ताकि दुनिया में कहीं भी छिपे पाकिस्तानी आतंकवादियों को पकड़कर 'उनकी टांगें तोड़ दी जाएं'। गत 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया, जिसमें 26 लोग मारे गए,।

ईरान के बाद इजराइल से भी निकाले जा रहे भारतीय

ईरान, (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते संघर्ष और इजरायली हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण वाणिज्यिक उड़ानों के पूर्ण निलंबन के मद्देनजर, इजरायल और जॉर्डन में भारतीय मिशनों ने ऑपरेशन सिंधु के तहत पहले बैच को सफलतापूर्वक निकाला है। रविवार को दूतावासों के संयुक्त प्रयास से 160 भारतीय नागरिकों को इजरायल से जॉर्डन पहुंचाया गया। निकाले गए लोगों का समूह शेख हुसैन ब्रिज के जरिए जॉर्डन में सुरक्षित रूप से प्रवेश कर गया, जो तेल अवीव से लगभग 120 किलोमीटर दूर है। आव्रजन और सीमा संबंधी औपचारिकताओं के बाद, समूह को सीमा से 120 किलोमीटर दूर अम्मान हवाई अड्डे पर ले जाया गया, जहाँ सोमवार

सुबह रवाना होने वाले विशेष निकासी विमानों के जरिए उनके भारत लौटने की व्यवस्था की गई। तेल अवीव में भारतीय दूतावास ने पहले ही चौबीसों घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित कर दिया था और भारतीय नागरिकों को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण करने का निर्देश दिया था। निकासी की प्राथमिकताएँ चिकित्सा आपात स्थिति, छोटे बच्चों, महिलाओं और छात्रों की उपस्थिति जैसे मानदंडों के आधार पर निर्धारित की गई थीं। दूतावास के अधिकारियों ने यात्रा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए पंजीकृत व्यक्तियों से फोन और ईमेल के जरिए संपर्क किया। अम्मान में भारतीय दूतावास ने निकाले गए लोगों के आवास और परिवहन का जिम्मा संभाला। इजरायल और जॉर्डन दोनों सरकारों ने भारतीय नागरिकों के सुचारू और सुरक्षित पारगमन को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की। विदेश मंत्रालय ने अम्मान से दिल्ली के लिए विशेष उड़ानों की भी व्यवस्था की, और दक्षिणी इजरायल में रहने वाले भारतीयों को समायोजित करने के लिए मिस्र से अतिरिक्त उड़ानों की योजना बनाई जा रही है। मिशन ने इस बात पर जोर दिया कि ऑपरेशन सिंधु अपने प्रवासी समुदाय की सुरक्षा और भलाई के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इजरायल में 40,000 से अधिक भारतीय रहते हैं इसलिए सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है। यह निकासी भारत के पिछले सफल अभियानों जैसे ऑपरेशन गंगा, देवी शक्ति, कावेरी और अजय की याद दिलाती है।

कांग्रेस ने भारत सरकार से नैतिक साहस दिखाने को कहा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा अमेरिकी सेना को तीन प्रमुख ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करने का आदेश देने के निर्णय ने इस्लामी गणराज्य की ज्ञात परमाणु क्षमताओं को नुकसान पहुँचाया है। भारत इस पूरे मामले पर अभी तक कुछ नहीं बोला है। ईरान पर हुए अमेरिकी हमले के बाद पाकिस्तान में भी हलचल देखने को मिली। शीर्ष नेताओं मे बैठक की है। अभी भारत में इस मुद्दे पर शांति है। भारत ने अपनी कूटनीति का प्रयोग करते हुए बेहद आसान तरीके से ईरान से अपने नागरिकों को वापस भारत ले आया है। इस पुरे मामले पर पीएम मोदी की शांति को लेकर कांग्रेस सवाल उठा रही है। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि मोदी सरकार ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले तथा इजराइली आक्रामकता की आलोचना या निंदा नहीं की है और वह गाजा में नरसंहार पर भी चुप है। मुख्य विपक्षी दल के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अब सरकार को पहले की तुलना में अधिक नैतिक साहस का परिचय देना चाहिए। उनका यह भी कहना है कि ईरान के साथ कूटनीतिक बातचीत होनी चाहिए। अमेरिका ने रविवार तड़के ईरान में तीन यूरेनियम संवर्धन स्थलोंकृफोर्दो, नतांज और इस्फहानकृ पर हमला किया था। पिछले 10 दिनों से ईरान और इजराइल के बीच सैन्य संघर्ष जारी है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ईरान पर अमेरिकी वायुसेना की ताकत का इस्तेमाल करने का राष्ट्रपति ट्रंप का निर्णय ईरान के साथ बातचीत जारी रखने के उनके अपने आह्वान का मजाक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, ईरान के साथ तत्काल कूटनीति और बातचीत की अनिवार्यता को दोहराती है। कांग्रेस नेता ने कहा, भारत सरकार को अब तक की तुलना में अधिक नैतिक साहस का प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने दावा किया, मोदी सरकार ने स्पष्ट रूप से अमेरिकी बमबारी और इजराइल की आक्रामकता, बमबारी और लक्षित हत्याओं की न तो आलोचना की है और न ही निंदा की है। इसने गाजा में फलस्तीनियों पर किए जा रहे नरसंहार पर भी चुप्पी साध रखी है। इससे पहले, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बीते शनिवार को आरोप लगाया था कि मोदी सरकार ने गाजा की स्थिति और इजराइल–ईरान सैन्य संघर्ष पर चुप्पी साधते हुए भारत के सैद्धांतिक रुख और मूल्यों को त्याग दिया है।

परकाया प्रवेश जैसा है बाल साहित्य का लेखन– प्रो.संजय द्विवेदी

भोपाल, (एजेंसी)। भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रोफेसर संजय द्विवेदी का कहना है कि बाल साहित्य का लेखन श्परकाया प्रवेशश जैसा है। संवेदना, वात्सल्य और मासूमियत से ही बच्चों को संबोधित किया जा सकता है,अहद जी ऐसे ही रचनाकार थे। वो बहुत बेहतर इंसान थे, इसलिए वे बच्चों के लिए प्रभावी लेखन कर पाए। प्रोफेसर द्विवेदी रविवार को हिंदी भवन में मातृभाषा उन्नयन संस्थान द्वारा शहर के सुप्रसिद्ध गजलकार एवं बाल साहित्यकार अहद प्रकाश की स्मृति में आयोजित श्अनहद अहदश कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. मालती बसन्त को श्अहद प्रकाश बाल साहित्य गौरव सम्मान 2025श व प्रख्यात गजलकार डॉ. अम्बर आबिद को श्अहद प्रकाश गजल गौरव सम्मान 2025श से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लघुकथा शोध केन्द्र की निदेशक कान्ता रॉय थीं और अध्यक्षता निराला सृजन पीठ की निदेशक डॉ. साधना बलवटे ने की। कार्यक्रम में स्व.अहद प्रकाश की धर्मपत्नी फरजाना अहद मौजूद थीं। प्रोफेसर द्विवेदी ने कहा कि जिस समय में लोग अपने माता–पिता को भी भूल जाते हैं, ऐसे कठिन समय में अपने साहित्यिक पुरखों की याद बहुत महत्वपूर्ण है। अहद प्रकाश की याद उस परंपरा का सम्मान है,जो हममें भारतप्रेमी और संवेदनशील बनाती है। उन्होंने कहा कि अहद जी ने बाल–साहित्य लेखन से एक पूरी पीढ़ी को संस्कारवान बनाया। स्वागत उद्‌बोधन में संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पण जैन श्अविचलश ने संस्थान के कार्यों और अहद प्रकाश जी के जीवन पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि कान्ता रॉय ने कहा कि श्अहद जी का बाल सुलभ मन सदैव सभी को जोड़ लेता रहा, आज उनकी स्मृतियों को ताजा करने का मौका मिला, जो निःसंदेह गरिमामय है।श अध्यक्षता कर रही डॉ. साधना बलवटे ने कहा कि श्बाल मन के कुशल चितेरे रहे अहद जी का जुड़ाव हर उम्र के लोगों के साथ सहज रहता था। बात मातृभाषा की है तो हमें अपनी मातृभाषा के प्रति जागरुक और सजग रहना चाहिए।

सपा के तीन विधायक पार्टी से निष्कासित

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के तीन बागी विधायकों अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह और मनोज कुमार पांडेय को सोमवार को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। गोसाईगंज से सपा विधायक अभय सिंह, गौरीगंज से पार्टी विधायक राकेश प्रताप सिंह और ऊंचाहार से विधायक मनोज कुमार पांडेय खुले तौर पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थन में आने का आरोप है। सपा ने इन तीनों विधायकों के निष्कासन का एलान करते हुए एक्स पर कहा, समाजवादी सौहार्दपूर्ण सकारात्मक विचारधारा की राजनीति के विपरीत साम्प्रदायिक विभाजनकारी नकारात्मकता वकिसान, महिला, युवा, कारोबारी, नौकरीपेशा और 'पीडीए विरोधी' विचारधारा का साथ देने के कारण'' तीनों विधायकों को पार्टी से निष्कासित किया गया है। पार्टी ने कहा, इन लोगों को हृदय परिवर्तन के लिए दी गयी 'अनुग्रह–अवधि' की समय–सीमा अब पूर्ण हुई। शेष लोगों की समय–सीमा अच्छे व्यवहार के कारण शेष है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में हिंदू दिखाएंगे अपने वोट की ताकत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अगले साल होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण का काम तेजी से शुरू हो गया है। भाजपा के सहयोगी संगठन हिंदू मुन्नानी ने लोगों से अपील की है कि वे अगले साल अप्रैल में होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में हिंदू वोट बैंक की ताकत दिखाएं। हम आपको बता दें कि दक्षिणपंथी संगठन द्वारा आयोजित भगवान मुरुगन भक्त सम्मेलन में हिंदू मुन्नानी ने 'हिंदू एकता' और हिंदुओं के अधिकारों व मंदिरों की रक्षा के लिए एक प्रस्ताव भी पारित किया है। इस सम्मेलन में आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण और तमिलनाडु भाजपा के कई पदाधिकारियों ने भाग लिया। सम्मेलन में पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि डीएमके सरकार को मंदिरों को राजस्व के स्रोत की तरह देखना बंद करना चाहिए और इन निधियों का उपयोग भक्तों के लाभ के लिए करना चाहिए। सम्मेलन में दिये गये अपने संबोधन में आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर हिंदू धर्म को निशाना बनाने वाले 'फर्जी धर्मनिरपेक्षतावादियों' की आलोचना की और सभी धर्मों का सम्मान करने की अपील की। भगवान मुरुगन के श्रद्धालुओं के विशाल सम्मेलन मुरुगा भक्तर्गल मानाडु को संबोधित करते हुए पवन कल्याण ने कहा कि वह धर्मान्ध हिंदू नहीं, बल्कि एक प्रतिबद्ध हिंदू हैं। अपने संबोधन में पवन कल्याण ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता शब्द बहुत से लोगों के लिए सुविधाजनक शब्द है। उन्होंने कहा, षविशेष रूप से नास्तिकों के लिए, जो ईश्वर में विश्वास नहीं करते हैं...भारत में वे हिंदू देवताओं में विश्वास नहीं करते।श उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता का मतलब किसी भी धर्म के खिलाफ कोई भेदभाव नहीं है, लेकिन उनके लिए धर्मनिरपेक्षता का मतलब हिंदू धर्म को छोड़कर किसी भी धर्म के खिलाफ कोई भेदभाव नहीं है। जन सेना पार्टी के संस्थापक पवन कल्याण ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर हिंदू देवी–देवताओं को निशाना बनाना आम बात हो गई है। पवन कल्याण ने कहा कि तथाकथित

धर्मनिरपेक्षतावादियों में अरब से आए धर्म के बारे में बोलने की हिम्मत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि नास्तिकों की आदत बन गई है हमारे देवताओं को नीचा दिखाने की। यह बदलना चाहिए। अगर यह नहीं बदला, तो हिंदू धर्म को बनाए रखना मुश्किल हो जाएगा।ष तमिल में बोलते हुए पवन कल्याण ने पासुम्पोन रामलिंगा थेवर जो थेवर समुदाय के आदर्श माने जाते हैं, उनको भगवान मुरुगन का अवतार और ष्दुनिया के पहले क्रांतिकारी नेताष के रूप में संबोधित किया। हम आपको बता दें कि थेवर समुदाय दक्षिण तमिलनाडु में एक प्रभावशाली वोट बैंक है। वहीं सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कहा कि हिंदू धर्म से किसी भी तरह का मतांतरण नहीं होना चाहिए और जो लोग धर्म बदल चुके हैं, उन्हें हिंदू धर्म में वापस लौट आना चाहिए। अन्नामलाई ने कहा कि भगवान मुरुगन के भक्तों के सम्मेलन में हिंदुओं की भारी उपस्थिति सत्ता में बैठे लोगों के लिए एक चेतावनी है।

संपादकीय

अपनी राह लेती महिलाएं

गुलबानो उस समय कपड़े धो रही थी और कपड़े धोने वाले सोटे की ठप्प–ठप्प के साथ कोई गीत गुनगुना रही थी। खुशदिल खान ने वही सोटा उससे छीनकर उसके सिर में दे मारा और कहा, 'जानती नहीं, गाना कुफ्र है?' फिर उसकी बांह पकड़कर घसीटते हुए उसे आंगन में ले आया, 'बता, चन्दन वाली बात सच है?' गुलबानो चुप। अपने जीवन में एक अकेले सच को वह कैसे झूठ कह दे? खुशदिल खान उसको घसीटते–घसीटते ऊपर छत पर ले गया, 'आ, तुझे चन्दन से मिलवाऊं...।'अजीत कौरखुशदिल खान गार्ड की बीवी गुलबानो बेहद सुंदर थी। आसपास के बीसियों गांवों में एक! सिर्फ एक! दूसरी बनाई ही नहीं थी बनाने वाले ने। लम्बी ऊंची पठानी। मुंह जैसे कच्चे दूध का कटोरा हो! अंग जैसे साग के कोमल डंठल! और सुंदर, मानो परियों की रानी! चांद की कतरन! पर हर परी को जैसे कोई देव अपने पत्थर के किले में कैद करके रखता है, वैसे ही खुशदिल खान गार्ड ने गुलबानो को छिपा रखा था। यूं भी सभी पठान अपनी बीवियों को ऐसे छिपाकर रखते हैं मानो ब्याहकर न लाए हों, उन्हें लूटकर लाए हों कहीं से। लेकिन, खुशदिल खान गार्ड की बीवी की तो छाया भी कभी किसी मर्द ने नहीं देखी थी। गांव की औरतें मिलकर शहर में सौदा खरीदने जातीं। हर औरत उस घड़ी की प्रतीक्षा ऐसे करती, जैसे किसी मेले की। सज–धजकर, बुर्के पहनकर घर से निकल पड़तीं। सबसे आगे ढोल बज रहा होता। दूर से ढोल की आवाज सुनकर पठान रास्ता छोड़ देते। गांव के बाहर जब किसी के देख लेने का भय न रहता तो वे सभी बुर्कों के नकाबों को ऊपर उठा लेतीं और उनके मेहंदी रंगे चांदी की पाजेबों वाले पांव ढोल की ताल पर नाचते–नाचते बावरे हो जाते। काफी समय से जबरदस्ती रोककर रखा हुआ नृत्य और उल्लास उनकी एड़ियों से फूट पड़ता।जो जो गांव आता, उन सबकी औरतें उनके साथ हो लेतीं। लेकिन जब वे खुशदिल खान गार्ड के गांव गढ़ी महाज खां पहुंचती, तो सभी के दिल में एक टीस–सी उठने लगती। यह दर्द गुलबानों के कलेजे–में एक असहय पीड़ा बनकर रह जाता। गांव की सब औरतें उनके साथ हो लेतीं, पर बेचारी गुलबानों घर की दीवारों में घिरी रह जाती। खुशदिल खान गार्ड ने कभी जाने की इजाजत ही नहीं दी। सारी औरतें खुशदिल खान गार्ड के घर जातीं, पिंजरे में बन्द गुलबानो के घर। फिर सब उसके आंगन में नाचना शुरू कर देतीं। ढोल बजता रहता और सेब, अमरूद, भुट्टे, खुरमानियां, चिलगोजे, किशमिश, काजू, गुड़ और मिसरी आदि बांटे जाते। सब मिलकर खातीं और गातीं। जिनकी वह कल्पना करता है गुलबानो को देखकर सबके दिल पर बादल घटाएं बनकर बरसने–बरसने को हो आते। नीचे झुक आते और नीम–अंधेरा–सा घिर आता। न बरसते, न रोशनी को और हवा को भीतर आने देते। ढोल की ढम्म–ढम्म में पीड़ के बोल साकार हो उठते। पठानी औरतें नृत्य करतीं तो उनकी एड़ियों से मानो कोई दर्द विलाप कर उठता। और गुलबानो? उसकी पीड़ा उन रातों की तरह थी जिन्हें अंधेरी राहों पर ठोकर लग जाती है और लाखों सितारे जिनके दर्द में कोयले से सुलग उठते हैं। औरतें अपनी राह लेतीं। गुलबानो को लगता, उसके घर की दीवारों की तपती हुई भट्टी में उसका जीवन जलकर राख हो जाएगा। खुशदिल खान गार्ड के यार–दोस्त कहा करते कि उसे भी अपनी बीवी को दूसरी औरतों के संग जाने देना चाहिए। लेकिन वह किसी की न सुनता।

ईरान और इजरायल के तीव्र होते युद्ध से बढ़ते खतरे

ललित गर्ग

हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा से त्रस्त दुनिया में क्या अब शांति एवं अमन की संभावनाओं पर विराम लग गया है? क्या शांतिपूर्ण नये विश्व की संरचना अब दिवास्वप्न है? रूस और यूक्रेन के लम्बे युद्ध के बाद इजराइल और ईरान का युद्ध विश्व के लिये महाविनाश की टंकार है। इस युद्ध के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं। अब तक के नौ दिनों के युद्ध में ईरान और इजरायल में सैकड़ों की मौत, हजारों घायल, अरबों का नुकसान, दुनिया में अनिश्चिंतता एवं भय का इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चिंतता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषतः तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है। दोनों देश एक–दूसरे के ऊपर मिसाइलों से हमला कर रहे हैं, परमाणु युद्ध की आशंकाएं उग्र होती जा रही है। दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट

माहौल, तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की आशंका ने समूची दुनिया को डरा रखा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचा है, लेकिन नष्ट नहीं किया गया है। अमेरिका और इजराइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर अब उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इजराइल इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर तीव्र से तीव्रत्तर हमले कर रहा है और ईरान भी जबावी हमलों में इजरायल में तबाही मचा रखी है। युद्ध भले ही इन दो देशों के बीच हो रहा है, लेकिन उसका प्रभाव समूची दुनिया पर हो रहा है। इस संघर्ष को रोकना आवश्यक है, भले ही अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। इस युद्ध को रोकने के लिये बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। ईरान और पैदा कर दिया है। क्रूड ऑयल की ग्लोबल डिमांड का 2 प्रतिशत ईरान से आता है। यहां के खरग द्वीप से करीब 90 प्रतिशत तेल बाहर भेजा जाता है। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि क्रूड शिपमेंट में कमी आई है। पूर्ण युद्ध की स्थिति में ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। इससे होकर दुनिया की 20 प्रतिशत नेचुरल गैस और एक तिहाई तेल ट्रांसपोर्ट होता है। यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45–50 प्रतिशत है। एक तथ्य यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है। ईरान और इजरायल के युद्ध के जटिलतर एवं घातक होते जाने के ही संकेत मिल रहे हैं। इजरायल चाहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो और अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डोनाल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा। यह कैसे कहा जा सकता है कि नई सत्ता को परमाणु ताकत बनने में कोई दिलचस्पी नहीं होगी, वह भी जब उसके पास अमेरिका और इजरायल के हिसाब से जरूरी साधन मौजूद हैं। इन हवाई हमलों से या जमीन पर सीधी लड़ाई लड़कर भले ही ईरान के इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म कर दिया जाये, लेकिन ईरान के उस तकनीकी ज्ञान को कैसे खत्म किया जा सकता है, जो ईरानी वैज्ञानिकों ने बरसों की मेहनत से हासिल की है। ऐसे में विदेशी दबाव में हुआ बदलाव ईरान को और ज्यादा कट्टरता की ओर ही ले जायेगा। ऐसे में अमेरिका या इजराइल के हमलों से ईरान में आमूल–चूल परिवर्तन होना संभव प्रतीत नहीं होता। हकीकत में यह काम ईरानी जनता पर छोड़ना चाहिए, बदलाव की मांग वहां से उठनी चाहिए। ईरान के लोग भी अपनी हुकूमत के खिलाफ है, भीतर–ही–भीतर आक्रोश है, इसे आंदोलन का रूप देकर ईरान में सत्ता परिवर्तन का माहौल बनाना चाहिए। यही ईरान के लिये बेहतरी का रास्ता है, क्योंकि परमाणु हथियार बनाने की जिद्द में बहुत सारे संसाधनों को बर्बाद कर दिया है। इराक, लीबिया, सीरिया–कई उदाहरण हैं, जहां पश्चिमी ताकतों ने अपने हिसाब से बदलाव लाने के प्रयास किये, लेकिन इनमें से कहीं भी नतीजा मन–मुताबिक एवं सफल–सार्थक नहीं रहा। ये देश आज भी अस्थिर हैं। तेहरान को लेकर कोई भी दुस्साहस ईरान को भी इन्हीं मुल्कों की श्रेणी में ला सकता है। ऐसी स्थितियों में कैसे बदलाव की आशा की जा सकती है? अमेरिका हो या इजरायल, ईरान या दुनिया की अन्य महाशक्तियों उनकी तरफ से ऐसी कोई पहल होती हुई नहीं दिख रही है, जिससे लगे कि वे यह संघर्ष टालना चाहते हैं। इजराइल का कहना है कि वह ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म करने के लक्ष्य को हासिल होने तक युद्ध नहीं रोकेगा, लेकिन क्या ऐसा संभव है? ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची का कहना है कि कोई भी बातचीत इजराइली हमले रुकने के बाद ही होगी। दोनों देशों की जिद्द एवं अकड से प्रतीत नहीं होता कि शांति एवं युद्ध विराम का रास्ता संभव है। ईरान निश्चित रूप से दोषी है, दुनिया में अशांति का बड़ा कारण भी है। क्योंकि उसने अपने परमाणु–शक्ति के अपने प्रयासों को इस हद तक आक्रामक रूप से छिपाया कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को भी कहना पड़ा कि ईरान अपने परमाणु अप्रसार दायित्वों का पालन नहीं कर रहा है। वैसे, इजराइल ने पिछले 15 वर्षों में कई बार ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर निशाना साधा है, लेकिन हर बार वह या तो अमेरिकी दबाव में या अपनी सैन्य क्षमताओं पर संदेह के कारण अंतिम समय पर पीछे हट गया था। सवाल यह भी है कि इस संघर्ष का इराक, लेबनान, सीरिया और यमन पर क्या असर होगा, क्योंकि वहां पर ईरान एक लंबे समय से अपना प्रभाव जमाए हुए है और सशस्त्र उग्रवादियों एवं आतंकवादियों को पोषित करता आया है। हिजबुल्ला की रीढ़ तोड़ने से इस परिदृश्य में बदलाव की शुरुआत पहले ही हो चुकी है और लेबनान–सीरिया में पहले ही इसका लाभ मिल चुका है, जहां नए, बहुलतावादी नेताओं ने सत्ता संभाली है। ईरान के प्रभाव–क्षेत्र से इराक का पलायन भी वहां के लोगों के बीच व्यापक रूप से लोकप्रिय रहा है।

वैश्विक संबंधों में बदलावों के कूटनीतिक सबक

ज्योति

विदेश नीति के बारे में यह कमाल है कि चंडीगढ़ के नित बदलते मौसम से भी अधिक तेजी से बदलती है और आपको पता नहीं होता कि आने वाले तूफान से कैसे निबटा जाए, जब तक कि वह ऐन आपके सिर के ऊपर न आ जाए। पिछले सप्ताह कनानास्किस में कुछ ऐसा ही हुआ। जहां पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी–7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिल्ली से साइप्रस होते हुए 11,056 किलोमीटर की यात्रा करके पहुंचे थे, दुनिया के कुछ सबसे शक्तिशाली लोग वहां एकत्र थे दृ सिवाय डोनाल्ड ट्रम्प के, जो जल्दी चले गए क्योंकि इस्राइल ने ईरान पर बमबारी कर दी थी और जैसा कि बाद में पता चला– पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर दोपहर के भोजन पर व्हाइट हाउस आने वाले थे। यहां, इस सप्ताह वैश्विक मिजाज में आए परिवर्तनों से तीन सीखें मिलती हैं रू सबसे पहले, महाभारत के अर्जुन की तरह, अपनी नजर मछली की आंख पर बनाए रखें। साल 2019 में जोर–शोर से लगाए गए नारे, 'अबकी बार, ट्रम्प सरकार' वाले दिनों से लेकर ट्रम्प का मोदी को वाशिंगटन डीसी आने का बुलावा और मोदी द्वारा इसे ठुकराने वाली घड़ी तक, प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह एक लंबी और संजीदा यात्रा रही। राजनीति का मुख्य सबक यह है कि राजनीति में न तो कोई स्थायी दोस्त होता है न ही दुश्मन, सिर्फ हित स्थाई होते हैं। घरेलू राजनीतिक मोर्चे पर प्रधानमंत्री इस खेल में माहिर हैं। वे विरोधाभासों का प्रबंधन बहुत खूबसूरती से कर लेते हैं, मसलन एक ओर दलित नेता बीआर अंबेडकर के लिए अपनी घोषित प्रशंसा और दूसरी ओर जाति जनगणना को लेकर उनकी पार्टी की बीते समय में असहजता दृ तथापि, कांग्रेस द्वारा इस मुद्दे के पीछे हाथ धोकर पड़ जाने के बाद, इस किस्म की जातिगणना करवाने की घोषणा कर देना। हो सकता है कि भाजपा इसका श्रेय छीन ले, खासकर तब जब कांग्रेस अंदरूनी तौर पर कमोबेश बिखरी पड़ी है। अपने पाले में, प्रधानमंत्री ने इस मामले में मतभेदों को जिस बढ़िया ढंग से संभाला है, विदेश मामलों के मोर्चे पर भी उन्हें अवश्य ऐसा ही कर दिखाना चाहिए। दूसरा,जिस बदलाव की बहुत जरूरत है वह है यथार्थवादी होने की काबिलियत। व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के दो शीर्ष जनरलों दृ सेना प्रमुख असीम मुनीर और आईएसआई मुखिया जनरल असीम मलिक दृ को ट्रंप द्वारा दिखाया गया लाड़–प्यार इस बात का सबूत है कि ईरान के साथ टकराव बढ़ने की स्थिति में अमेरिका पाकिस्तान को अग्रिम मोर्चे के संभावित मित्र राष्ट्र के रूप में देख रहा है। अमेरिका सत्ता की प्रकृति को अच्छी तरह समझता है। पाकिस्तान के राजनीतिक नेतृत्व की अनदेखी करते हुए सीधे उसके सैन्य प्रतिष्ठान से राब्ता बनाकर ट्रंप यह स्पष्ट कर रहे हैं कि उनके पास औपचारिक रूट जैसे तामझाम लिए समय नहीं है। वह जानते हैं कि जो वो चाहते हैं, अगर कोई इसे पूरा सकता है, तो वह है रावलपिंडी स्थित सैन्य प्रतिष्ठान। तो क्या इसका यह मतलब है कि अमेरिका भारत की उस स्थिति पर और ज्यादा यकीन नहीं करना चाहता कि सीमा पार आतंकवाद का प्रायोजक पाकिस्तान है? या फिर अब यह नहीं मान रहा कि पहलगाम कांड पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के आकाओं द्वारा करवाया गया था? इसका उत्तर हां और नहीं, दोनों है। निश्चित रूप से अमेरिका भारत के इस विश्लेषण से सहमत होगा कि भारत में सीमा पार से आतंकवाद का प्रायोजक पाकिस्तान है। लेकिन दुर्भाग्यवश, लगता है इस समय उसे पाक की जरूरत भारतीयों को पहुंचने वाले उस दर्द से ज़्यादा महत्वपूर्ण लग रही है, जिनका मानना था कि ट्रंप–मोदी सदा पक्के दोस्त रहेंगे। यहां मुद्दा यह है कि ट्रंप को लगता है कि वे असीम मुनीर और मोदी, दोनों के, बढ़िया दोस्त हो सकते हैं।

.... विविध ....

40 की उम्र के बाद भी दमकती रहेगी त्वचा, बस अपनाएं ये स्किन केयर रूटीन

उम्र बढ़ने के साथ त्वचा की जरूरतें बदलने लगती हैं। खासतौर पर 40 की उम्र के बाद चेहरे पर झुर्रियां, डलनेस और नमी की कमी जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। लेकिन चिंता की बात नहीं है, क्योंकि कुछ आसान स्किन केयर टिप्स और थोड़ी सी समझदारी से आप इस उम्र में भी अपनी त्वचा को जवां और हेल्दी बनाए रख सकती हैं।

कम से कम 8 गिलास पानी पिएं

40 की उम्र के बाद त्वचा में नमी की कमी तेजी से महसूस होने लगती है। ऐसे में सबसे जरूरी है कि त्वचा को लगातार हाइड्रेट रखा जाए। इसके लिए हल्के और मॉइस्चराइजिंग क्लींजर का इस्तेमाल करें। हायल्यूरोनिक एसिड युक्त सीरम त्वचा को भीतर से नमी देता है। वहीं मॉइस्चराइजर में ग्लिसरीन, सेरामाइड और पेप्टाइड्स जैसे तत्व होने चाहिए। दिनभर में कम से कम 8 गिलास पानी पीना भी बेहद जरूरी है।

रेटिनॉल से पाएं जवां त्वचा

रेटिनॉल एक ऐसा तत्व है जो त्वचा में कोलेजन के स्तर को बढ़ाता है और झुर्रियों को कम करता है। इसे नाइट स्किनकेयर रूटीन में शामिल करें। शुरुआत में इसे हफ्ते में एक या दो बार लगाएं और इसके बाद मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं। रेटिनॉल के इस्तेमाल के बाद दिन में सनस्क्रीन लगाना बिल्कुल न भूलें।

स्किन को एक्सफोलिएट करना न भूलें

40 की उम्र के बाद त्वचा का सेल टर्नओवर धीमा हो जाता है, जिससे चेहरा मुरझाया हुआ लगता है। हफ्ते में 1 से 2 बार ।भ्। युक्त केमिकल एक्सफोलिएंट का प्रयोग करें। स्क्रब से बचें क्योंकि यह त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है।

सनस्क्रीन है बेहद जरूरी

घर में रहें या बाहर, ैच्थ् 30 या उससे अधिक वाला सनस्क्रीन जरूर लगाएं। हर 2 घंटे में इसे दोबारा लगाना चाहिए। इसके साथ–साथ बड़ी टोपी, चश्मा और फुल स्लीव कपड़े पहनना भी धूप से सुरक्षा के लिए फायदेमंद होता है। विटामिन ब् सीरम सनस्क्रीन के असर को और भी बढ़ा देता है।

डार्क स्पॉट्स का करें सही इलाज

40 की उम्र के बाद हॉर्मोनल बदलावों के कारण हाइपरपिग्मेंटेशन यानी काले धब्बे हो सकते हैं। इन्हें कम करने के लिए विटामिन ब् और नायसिनामाइड युक्त सीरम का प्रयोग करें। हल्का एक्सफोलिएशन भी दाग–धब्बों को हल्का करता है।

आंखों की खास देखभाल जरूरी

आंखों के नीचे की त्वचा सबसे पहले उम्र का असर दिखाती है। इसलिए आई क्रीम का इस्तेमाल जरूरी है। इसमें पेप्टाइड, कैफीन और विटामिन ब् जैसे तत्व होने चाहिए। आई क्रीम को बहुत हल्के हाथों से लगाएं।

स्वस्थ लाइफस्टाइल अपनाएं

स्किन केयर रूटीन के साथ–साथ आपकी डाइट और जीवनशैली भी बहुत अहम होती है। संतुलित आहार लें जिसमें फल, हरी सब्जियां, लीन प्रोटीन और हेल्दी फैट्स हों। रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। 7 से 9 घंटे की नींद जरूर लें। तनाव को दूर करने के लिए योग, मेडिटेशन या ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें।

बारिश के मौसम में कैसी होनी चाहिए डाइट

मानसून की शुरुआत देश के कई हिस्सों में हो चुकी है। बारिश के इस मौसम में मौसम तो खुशनुमा होता है, लेकिन साथ ही यह बीमारियों का खतरा भी साथ लाता है। ऐसे में सेहत का खास ध्यान रखना जरूरी होता है, खासकर हमारी डाइट यानी खाने–पीने की आदतों का।

बारिश के कारण जगह–जगह गंदा पानी जमा हो जाता है, जिससे मच्छर पनपते हैं और डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही, इस मौसम में हवा में नमी होती है, जिससे बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं। ऐसे में खासतौर पर कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत होती है।

आइए जानते हैं कि इस मौसम में कैसी होनी चाहिए आपकी डाइट, और क्या खाना फायदेमंद रहेगा

हल्का और घर का बना खाना खाएं

मानसून के समय भारी और तले–भुने खाने से बचना चाहिए। जंक फूड या ओवरऑयली खाना खाने से फूड पॉइजनिंग, गैस, कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस मौसम में आप लौकी, करेला, टिंडा, तोरी, और दलिया जैसी हल्की चीजें खाएं। ये ना सिर्फ पचने में आसान होती हैं, बल्कि इम्युनिटी भी बढ़ाती हैं।

मौसमी फल जरूर खाएं

बारिश के समय मिलने वाले फ्रेश फल जैसे – आम, संतरा, तरबूज, खरबूजा खाने से शरीर को जरूरी पोषण और विटामिन्स मिलते हैं। ये फल आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को मजबूत करते हैं और बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।

गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें

मानसून में ठंडे ड्रिंक्स या कोल्ड ड्रिंक पीने से गला खराब, जुकाम, खांसी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप गर्म पानी, हल्दी वाला दूध, अदरक–तुलसी का काढ़ा, या हर्बल चाय पिएं। इससे शरीर हाइड्रेट भी रहेगा और इन्फेक्शन से बचाव भी होगा।

प्रोबायोटिक्स को डाइट में शामिल करें

इस मौसम में पाचनतंत्र का ख्याल रखना जरूरी है। दही और छाछ जैसे प्रोबायोटिक फूड्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं। ये पाचन क्रिया सुधारते हैं और आपकी गट हेल्थ को मजबूत करते हैं।

जंक फूड और स्ट्रीट फूड से दूरी बनाएं

बरसात में गंदगी और नमी के चलते बाहर के खाने में अक्सर हाइजीन की कमी होती है। इसलिए स्ट्रीट फूड, कटे–फटे फल, और बासी खाने से बचें। इससे फूड पॉइजनिंग और संक्रमण का खतरा हो सकता है।मानसून का मौसम भले ही सुहावना हो, लेकिन सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप साफ–सुथरा, हल्का और पोषक खाना खाएं।

मसूड़ों से खून आने को न करें नजरअंदाज, हो सकती है हार्ट प्रॉब्लम की शुरुआती चेतावनी

कई बार बिना किसी चोट या कारण के मसूड़ों से खून आने लगता है। यह एक आम समस्या मानी जाती है लेकिन इसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। यह सिर्फ दांतों की बीमारी नहीं बल्कि शरीर में किसी और गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकता है। कुछ मामलों में मसूड़ों से खून आना दिल से जुड़ी किसी बीमारी का लक्षण भी हो सकता है। इसलिए अगर यह समस्या बार–बार हो रही है या बिना किसी वजह के हो रही है तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

मसूड़ों से खून आने के सामान्य कारण

दांतों की सफाई ठीक से न करना

मसूड़ों की सूजन या इन्फेक्शन

हार्ड ब्रश या गलत ब्रशिंग तकनीक

चोट या मुंह में किसी प्रकार की खरोंच

विटामिन की कमी, खासकर विटामिन ब् और ज्ञ

हार्मोनल बदलाव (जैसे प्रेग्नेंसी में)

कुछ दवाओं का साइड इफेक्ट

क्या मसूड़ों से खून आना दिल की बीमारी का संकेत है?

एक्सपर्ट्स का कहना है कि हां, कभी–कभी मसूड़ों से खून आना हृदय रोग से भी जुड़ा हो सकता है। इसका कारण यह है कि अगर मसूड़ों में इंफेक्शन या पेरिओडोंटल डिजीज (च्मतपवकवदजंस क्पेमंम) होती है तो वहां मौजूद बैक्टीरिया खून के जरिए शरीर के अन्य हिस्सों में फैल सकते हैं। जब ये बैक्टीरिया रक्त प्रवाह में पहुंचते हैं तो ये दिल की रक्तवाहिनियों में सूजन और डैमेज कर सकते हैं जिससे हृदय रोग होने का खतरा बढ़ जाता है।

हर बार दिल की बीमारी नहीं होती कारण

हालांकि, यह जरूरी नहीं कि मसूड़ों से खून आने का मतलब यही हो कि आपको हृदय रोग है। यह समस्या मात्र मसूड़ों की बीमारी भी हो सकती है जो बहुत आम है। लेकिन अगर यह लगातार या बार–बार हो रही है तो यह शरीर के अंदर किसी गड़बड़ी का संकेत जरूर हो सकता है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

क्या करना चाहिए?

अगर आपके मसूड़ों से बार–बार बिना चोट या कारण के ब्रश करते समय खून आ रहा है तो आपको तुरंत डेंटल चेकअप कराना चाहिए। जांच से यह पता चलेगा कि खून आने की वजह मसूड़ों की बीमारी है या कोई अंदरूनी (जैसे हृदय से जुड़ी) समस्या है। अगर जांच में पता चलता है कि यह दिल से जुड़ी समस्या है तो डॉक्टर आपको आगे की जांच और इलाज की सलाह देंगे। अगर यह सिर्फ मसूड़ों की बीमारी है, तो उसका उपचार और देखभाल से इसे रोका जा सकता है।

मसूड़ों से खून आना कभी–कभी मामूली लग सकता है लेकिन यह शरीर के भीतर चल रही किसी गंभीर समस्या की ओर इशारा कर सकता है। इसलिए लापरवाही न बरतें, समय पर जांच करवाएं और उचित इलाज लें। स्वस्थ मसूड़े और दांत, स्वस्थ दिल की भी निशानी हो सकते हैं।

सिपाही से पहले 4543 दरोगा भर्ती की हो रही है तैयारी

लखनऊ , (संवाददाता)। प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षक (दरोगा) नागरिक पुलिस के 4543 पदों पर भर्ती की कवायद जल्द शुरू होगी। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड दरोगा सीधी

भर्ती की कवायद जल्द शुरू करने जा रहा है। बता दें कि प्रदेश पुलिस में जल्द करीब 24 हजार पदों पर भर्ती होनी है, जिसमें 4543 दरोगा के पद भी शामिल हैं। फिलहाल सिपाहियों से पहले दरोगा भर्ती को तवज्जो देने की तैयारी है। मालूम हो कि डीजीपी मुख्यालय द्वारा भर्ती बोर्ड को 19220 सिपाही एवं उसके समकक्ष पदों तथा उपनिरीक्षक एवं उसके समकक्ष 4543 पदों पर सीधी भर्ती के लिए प्रस्ताव भेजा जा चुका है। बोर्ड ने इन दोनों पदों पर भर्ती के लिए पहले अप्रैल माह के तीसरे सप्ताह में विज्ञप्ति जारी करने की घोषणा की थी, हालांकि इसमें लगातार विलंब होता जा रहा है। दरोगा भर्ती में शासन ने आयु सीमा में 3 वर्ष की छूट देने का प्रस्ताव बीते दिनों मंजूर कर लिया है, जिससे भर्तियों का रास्ता साफ हो चुका है। वहीं सिपाही भर्ती के लिए कुछ बिंदुओं पर शासन से सहमति मांगी गई हैं। शासन से अभी तक सहमति नहीं मिलने की वजह से इसमें और विलंब होने के आसार हैं। इस दरम्यान दरोगा के पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी तेजी से जारी है। सूत्रों की मानें तो अगले माह इसकी विज्ञप्ति जारी की जा सकती है।

जेल वार्डर की भर्ती का भी इंतजार

इसी तरह कारागार विभाग में भी जेल वार्डर की भर्ती का इंतजार बढ़ता जा रहा है। इसका प्रस्ताव बीते दिनों कारागार विभाग द्वारा भर्ती बोर्ड भेजा जा चुका है। बोर्ड ने जेल वार्डर के 2833 पदों पर सीधी भर्ती के लिए अप्रैल माह के तीसरे सप्ताह में विज्ञप्ति जारी करने की घोषणा की थी, हालांकि इसकी प्रक्रिया अभी तक शुरू नहीं की जा सकी है। जेल वार्डर की भर्ती से भी कारागार विभाग में रिक्त पदों को भरा जा सकेगा। खासकर नई जेलों में इनकी तैनाती की जा सकेगी।

युद्ध के साये में ईरान से स्वदेश लौटे 19 जायरीन, एयरपोर्ट पर घरवालों को देख नम हुई आंखे

लखनऊ, (संवाददाता)। ईरान–इस्राइल युद्ध के कारण मशहद में फंसे लखनऊ और हरदोई के 19 जायरीन सोमवार सुबह सुरक्षित लौट आए हैं। चार दिन तक अनिश्चितता में फंसे इन जायरीनों की वापसी से परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई। लब्बैक टूर एंड ट्रैवल्स की ओर से यह समूह 27 मई को जियारत के लिए रवाना हुआ था। इराक और ईरान की यात्रा पूरी कर 18 जून को इनकी वापसी तय थी, लेकिन युद्ध के चलते ये लोग कुम शहर में फंस गए। बाद में भारतीय दूतावास की पहल पर इन्हें मशहद लाया गया, जहां से रविवार शाम 6 बजे फ्लाइट के जरिए दिल्ली भेजा गया। सोमवार

सुबह तक ये सभी जायरीन लखनऊ पहुंच गए।

इस समूह में शामिल लोग

इनमें लखनऊ के 17 और हरदोई के दो जायरीन शामिल हैं। ग्रुप में अली कमाल, अनाबिया, बाकर, इरफान, कनीज, लाइका, मोहम्मद हुसैन, निघत, रोशन, शाहीन, सबा, सादात, नफीस, सीमा, सकीला, तहरीर फातिमा, रईस, सानिया और जफर शामिल हैं। एजेंट औरया जफर के अनुसार, रवाना होने से पहले सभी ने अपने परिजनों से बातचीत भी की। परिवारजनों ने लखनऊ एयरपोर्ट पर राहत के साथ उनका स्वागत किया।

संक्षिप्त खबरें

शृंगार और ओज की कविताओं से सराबोर हुए श्रोता

लखनऊ, (संवाददाता)। खाला बाजार स्थित स्वास्थ्य परामर्श केंद्र में पिंगल काव्य समारोह का आयोजन रविवार को किया गया। इस दौरान युवा कवियों और कवयित्रियों ने शृंगार और ओज की कविताओं से श्रोताओं का मनोरंजन किया। कवि शेखर त्रिपाठी ने अपना मशहूर भजन जिन्हें दाम प्यारे उन्हें दाम दे दो, मुझे राम प्यारे मुझे राम दे दो... सुनाया। उन्होंने हास्य की फुलझड़ियों से भी श्रोताओं को खूब हंसाया। डॉ. ओम शर्मा ओम ने – तुमको छूना है आसमानों को, मुझे पापा के पैर छूने दो... सुनाकर पिता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। प्रियांशु वात्सल्य ने सुनाया– छत पे सजकर के जब चांद मेरा गया, चांद भी देखकर देखता रह गया। अटल नारायण ने ओज की कविता पढ़ी। उन्होंने सुनाया– देश की पुकार है ये, देश में बयार है ये, देश के सिंहासन पर संत होना चाहिए। पूनम मिश्रा ने शृंगार की रचना पढ़ी– एक लड़की जब सपने पूरे करती है, अपने ही परिवार से लड़ना पड़ता है। इसके अलावा शिखा दीप्ति, अंकिता तिवारी, शिखर शर्मा रतन, पीयूष योगी आदि ने भी काव्यपाठ किया। मुख्य अतिथि अनिल रस्तोगी, विनोदनी रस्तोगी, सीमा रस्तोगी, संयोजक वैशाली रस्तोगी, डॉ. अलका गुप्ता, अंकुर पाठक, श्वेता शुक्ला के अलावा संस्था के अध्यक्ष पीयूष योगी और संस्थापक अंजुल दुबे आदि मौजूद रहे।

अधिवेशन में लिया समाज के उत्थान का संकल्प

लखनऊ, (संवाददाता)। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रविवार को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की प्रतिनिधि सभा का अधिवेशन हुआ, जिसमें उत्तर प्रदेश के सभी जिलों समेत अन्य प्रदेशों के भी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही। अधिवेशन में समाज के उत्थान का संकल्प लिया गया। इस दौरान संगठन की भावी दिशा, सामाजिक सरोकारों, राष्ट्रहित के साथ संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण जैसे विषयों पर विचार–विमर्श हुआ। इस दौरान परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि क्षत्रियों ने हमेशा देश के स्वाभिमान की रक्षा की है। क्षत्रिय समाज संगठन को मजबूत करने के साथ ही देश को भी मजबूत करने के लिए आगे आए। उन्होंने कहा कि मेरे बुरे वक्त में भी संगठन ने मेरा हमेशा साथ दिया। कोशिश रहेगी कि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का अगला अधिवेशन लखनऊ में अपने ही भवन में हो। इसके लिए पूरा प्रयास किया जाएगा। सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि संगठन में शक्ति निहित है और इस शक्ति का इस्तेमाल समाज व राष्ट्र की खुशहाली व तरक्की के लिए होना चाहिए। इस दौरान विधायकों में राजीव कुमार उर्फ 'बब्बू भैया', वीर विक्रम सिंह 'प्रिंस', राकेश प्रताप सिंह, माधवेंद्र प्रताप सिंह, मेघश्याम सिंह, रमेश सिंह, एमएलसी पवन सिंह चौहान और अवनीश सिंह चौहान ने भी समाज के उत्थान के लिए हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। सभा के दौरान सर्वसम्मति से कुंवर हरिवंश सिंह को एक बार फिर से राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर निर्विरोध चुना गया। वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री के पद पर राघवेंद्र सिंह राजू, राष्ट्रीय महामंत्री के पद पर सुखबीर सिंह भदौरिया और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के पद पर बच्चन सिंह राणा को निर्विरोध चुना गया।

नागरिक सुरक्षा हमारी प्राथमिकता बच्चों को दी चॉकलेट : सीएम योगी

लखनऊ , (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को श्जनता दर्शनश किया। इस दौरान यहां प्रदेश भर से लगभग 65 से अधिक पीड़ित पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हर पीड़ित के पास स्वयं पहुंचे, समस्या सुनी, प्रार्थना पत्र लिया और उन्हें अहसास कराया कि हर समस्या में सरकार साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के हर नागरिक की सेवा, सुरक्षा और सम्मान सरकार की पहली प्राथमिकता है। सरकार विगत 8 वर्ष से इसी उद्देश्य से कार्य कर रही है। अधिकारियों को निर्देश–हर पीड़ित की समस्या पर करें तत्काल कार्रवाई

जनता दर्शन में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, शिक्षा, आवास, आंगनबाड़ी, कब्जा आदि से जुड़े अनेक मामले आए, जिस पर प्रार्थना पत्र लेकर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल

कार्रवाई का निर्देश दिया। जनता की समस्या सुनते हुए सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। इसमें हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सबको न्याय मिलेगा और सबकी पीड़ा दूर की जाएगी।

बच्चों को दुलारा, चॉकलेट भी दी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्जनता दर्शनश में आए बच्चों को दुलार किया। उन्होंने बच्चों से बातें कीं, पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। सीएम योगी ने चॉकलेट–टॉफी प्रदान कर बच्चों को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

2027 के विधानसभा चुनाव के लिए बसपा ने बदली रणनीति

लखनऊ , (संवाददाता)। डेढ़ साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी गांव–गांव जाकर अपना जनाधार बढ़ा रही है। पार्टी की करीब 1600 टीमें गांवों में पोलिंग बूथ और सेक्टर कमेटियां बनाकर लोगों को जोड़ रही हैं। पार्टी का कहना है कि पदाधिकारी भी नामित किए जा रहे हैं, जो लोगों को बसपा की नीतियों और विपक्ष की साजिशों से अवगत करा रहे हैं। बता दें कि पार्टी अध्यक्ष मायावती के निर्देश पर भाईचारा कमेटी और ओबीसी कमेटी लगातार काम कर रही हैं। पार्टी नेताओं का मानना है कि जिस तरह वर्ष 2007 में भाईचारा कमेटियों के जरिये समाज के सभी वर्गों के लोगों का गठबंधन स्थापित करते हुए सरकार बनाई गई थी, उसी फॉर्मूले पर अगले विधानसभा चुनाव की तैयारी करनी है। इसके तहत गांव–गांव जाकर कमेटियों का गठन करना पहली प्राथमिकता है। जिसके लिए हर विधानसभा क्षेत्र में चार टीमें बनाई जा चुकी हैं। पार्टी का मानना है कि बसपा नेताओं की नहीं, कार्यकर्ताओं की पार्टी है। चार बार रही बसपा सरकार में गुमनाम चेहरों को भी इसी तरह पार्टी ने सियासी पहचान दी थी। इसी वजह से पूरा फोकस विधानसभा स्तर पर बूथ कमेटियों, भाईचारा कमेटी और ओबीसी समाज को जोड़ने पर है। फिलहाल पार्टी तराई और अवध के इलाकों में फोकस कर तेजी से संगठन का विस्तार कर रही है।

बिहार चुनाव बाद सक्रिय होंगे आकाश

वहीं दूसरी ओर पार्टी के चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद बिहार चुनाव के बाद यूपी में भी सक्रिय हो सकते हैं। सूत्रों का कहना है फिलहाल बसपा सुप्रीमो के निर्देश पर आकाश आनंद बिहार चुनाव की तैयारियों में जुटे हैं। जिसके बाद उन्हें यूपी में भी सक्रिय किया जा सकता है। फिलहाल यूपी और उत्तराखंड के संगठन की समीक्षा और उससे जुड़े फैसले बसपा सुप्रीमो खुद ले रही हैं।

बसपा कार्यकर्ताओं के दम पर बनी पार्टी है

बसपा नेताओं की नहीं, कार्यकर्ताओं की पार्टी है। समाज के सभी वर्गों के आपसी भाईचारे की बदौलत हमने सरकार भी बनाई है। बसपा सुप्रीमो के निर्देश पर गांव–गांव जाकर कार्यकर्ताओं के जरिये संगठन को मजबूत किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

सत्य प्रकाश बने भारतीय राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ के अध्यक्ष

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ की ओर से रविवार को लोक भवन के निकट गेस्ट हाउस में बैठक की गई। सर्व सम्मति से राष्ट्रीय संयोजक सत्य प्रकाश पांडेय को अध्यक्ष, राघव को उपाध्यक्ष और आनंद दूबे को महासंघ का महासचिव चुना गया। संगठन के मानव सेवा प्रकल्प के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर मूलचंद चौहान प्रदेश अध्यक्ष अशोक चौधरी,राष्ट्रीय संगठन मंत्री नर्वदेश्वर तिवारी, आनंद द्विवेदी राष्ट्रीय सचिव, पं.राघव मिश्रा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, किरन पांडेय महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष, हरिवंश यादव प्रदेश उपाध्यक्ष मानव सेवा प्रकल्प,मनीष कुमार चतुर्वेदी प्रदेश अध्यक्ष परशुराम सेना, महेंद्र तिवारी मीडिया राष्ट्रीय प्रभारी बनाए गए।

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) का लखनऊ चौप्टर हुआ लॉन्च

लखनऊ, (संवाददाता)। जैन समाज की प्रतिष्ठित संस्था जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) का लखनऊ चौप्टर रविवार को लॉन्च हुआ। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा और मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने नवगठित इकाई के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। पीके जैन को अध्यक्ष और अभिषेक जैन को महासचिव नियुक्त किया गया। गोल्फ सिटी स्थित होटल में आयोजित समारोह की शुरुआत एमएलसी डॉ. महेंद्र सिंह ने दीप प्रज्वलन कर की। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि सेवा भाव में जैन समाज अग्रणी रहा है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने जीतो जॉब्स के माध्यम से रोजगार सृजन की सराहना की और सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष विजय भंडारी और उपाध्यक्ष कमलेश सोजातिया ने बताया कि संगठन 32 देशों में कार्यरत है और लखनऊ देश का 77वां चौप्टर बना है। जीतो एपेक्स के डायरेक्टर व नॉर्थ जोन के चेयरमैन रमन जैन, लखनऊ चौप्टर के चेयरमैन पीके जैन ने आश्वासन दिया कि लखनऊ में जल्द ही एक छात्रावास का निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, एमएलसी मुकेश सिंह, पवन सिंह, पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया, सीएम के विशेष कार्याधिकारी श्रवण सिंह बघेल, अर्पित जैन, राजीव जैन, नितिन जैन, अंकित जैन, सौरभ जैन, राहुल जैन, ऋषभ जैन, समक्ष जैन मौजूद रहे। संजीव जैन और गुंजन जैन (उपाध्यक्ष), विमल जैन (कोषाध्यक्ष), गौरव जैन (संयुक्त मंत्री)। महिला प्रकोष्ठ में अमिता जैन अध्यक्ष और मनीषा जैन महासचिव बनीं।

नशे में धुत कैब चालक ने महिला यात्री से की छेड़छाड़, पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। आलमबाग में शुक्रवार को नशे में धुत कैब चालक ने महिला यात्री से छेड़छाड़ की और मचाने पर पीड़िता को होमगार्ड चौराहे पर छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने शनिवार को छेड़छाड़ की धारा में एफआईआर दर्ज कर आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया। आशियाना निवासी महिला के मुताबिक, शुक्रवार शाम उन्होंने काम से बाहर जाने के लिए कैब बुक की थी। महिला का आरोप है कि कैब चालक शराब के नशे में धुत था और उन्हें गलत रास्ते की ओर ले जाने लगा। विरोध करने पर उनसे छेड़छाड़ करने लगा।

39 जिलों में कंपोजिट स्कूलों का निर्माण शुरू

लखनऊ , (संवाददाता)। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और समावेशी बनाने की दिशा में 39 जिलों में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालयों का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। वहीं 10 अन्य जिलों में भी जल्द निर्माण कार्य शुरू करने की तैयारी है। शेष अन्य जिलों के लिए वित्तीय स्वीकृति व भूमि चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। प्रदेश के सभी 75 जिलों में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालयों का निर्माण होना है । पिछले दिनों एक कार्यक्रम में सीएम ने 39 जिलों के विद्यालयों के निमार्ण कार्य का शिलान्यास किया था। इसके बाद यहां काम शुरू कर दिया गया है। वहीं इनके सभी जिलों में निर्माण के बाद दूसरे चरण में भी हर जिले में 1–1 मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय का निर्माण प्रस्तावित है। इस प्रकार हर जिले में 2–2 मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालयों के निर्माण की कार्ययोजना है। इन विद्यालयों में प्री–प्राइमरी से लेकर 12वीं तक की सभी कक्षाएं एक ही परिसर में चलेंगी। 5 से 10 एकड़ भूमि पर 30 करोड़ की लागत से यह विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। इन विद्यालय के निर्माण के लिए सरकार ने 6 निर्माण एजेंसियों को अलग अलग जिम्मेदारी दी है।

पढ़ाई के साथ कौशल विकास की भी सुविधा

इन विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई के साथ ही कौशल विकास, खेलकूद, सुविधा और सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा जाएगा। हर विद्यालय में 30 स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लाइब्रेरी व कंप्यूटर लैब, आधुनिक विज्ञान प्रयोगशाला, मिनी स्टेडियम, खेल मैदान होगा। इसके अतिरिक्त, इनमें कौशल विकास केंद्र और वर्कशॉप्स, शिक्षकों के लिए आवासीय सुविधा, सीसीटीवी निगरानी, वाई–फाई की भी व्यवस्था होगी।

इन जिलों में शुरू हुआ निर्माण कार्य

सीतापुर, सुल्तानपुर, रायबरेली, अमेठी, बिजनौर, कानपुर देहात, महाराजगंज, अम्बेडकरनगर, बुलन्दशहर, खीरी, बलिया, हमीरपुर, औरैया, हरदोई, अमरोहा, चित्रकूट, ललितपुर, जालौन, चन्दौली, फिरोजाबाद, श्रावस्ती, इटावा, मैनपुरी, हापुड़, कौशाम्बी, मऊ, गाजियाबाद, शाहजहांपुर, गौतमबुद्धनगर, संतकबीरनगर, सम्भल, गाजीपुर, मुजफ्फरनगर, रामपुर, हाथरस, बदायूं बहराइच, भदोही, बागपत।

बोरिंग ठेकेदार की संदिग्ध हालात में मौत

लखनऊ , (संवाददाता)। सबमर्सिबल पंप की बोरिंग के ठेकेदार गुडंबा के दसौली गांव निवासी काशीराम रावत (35) की शनिवार को संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उनकी पत्नी ने बोरिंग का सामान बेचने वाले दो भाइयों पर लेनदेन के चलते हत्या आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी दुकानदार भाइयों आरिफ व आसिफ पर हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाने से हार्ट व विसरा जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है। काशीराम की पत्नी कुमकुम रावत के मुताबिक, पति पारा गांव निवासी आसिफ व आरिफ की बेहटा स्थित दुकान से बोरिंग का सामान लेते थे। गत बृहस्पतिवार को उन्होंने दुकानदार भाइयों से 23 हजार का सामान लेकर भुगतान भी कर दिया था। दुकानदार आसिफ पर उनका आठ हजार रुपये बकाया था। शनिवार सुबह सात बजे वह बकाये की रकम लेने आसिफ की दुकान गए थे। दोपहर करीब 12 बजे आरिफ ने फोन कर बताया कि करंट लगने से काशीराम की मौत हो गई है। उनका शव कुर्सी रोड स्थित एक निजी हॉस्पिटल में है। इस पर परिजन व पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई। रविवार को पोस्टमार्टम के आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें शव को देखने तक नहीं दिया।

नामजद आरोपी आसिफ ने परिजनों को बताया था कांशीराम पारा गांव में बोरिंग करने गए थे।

बाद पुलिस की मौजूदगी में शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

शरीर पर चोट के निशान, मोबाइल व रुपये गायब

कुमकुम रावत का आरोप है कि उनके पति की मौत करंट लगने से नहीं हुई है, बल्कि उनकी हत्या की गई है। पति के कपड़े फटे हुए थे। शरीर पर चोट के निशान थे। आरोप है कि उनका मोबाइल व रुपये गायब थे। उन्होंने इसी दौरान वह नित्यक्रिया करने पास के खेत में गए, जहां फसल को मवेशियों से बचाने के लिए लगे तार में दौड़ रहे करंट की चपेट में आ गए। इंस्पेक्टर गुडंबा पर प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आसिफ व आरिफ पर हत्या का केस दर्ज सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। कांशीराम के परिवार में पिता साहबदीन, मां सूखा, दो बेटे कार्तिक व विवांस और एक बेटी तनु है।

आठ विभूतियों को मिला लता मंगेशकर सम्मान

लखनऊ, (संवाददाता)। बौद्ध शोध संस्थान में रविवार की शाम गीत–संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों के नाम रही। उड़ान संस्था की ओर से श्श्श्श्तुम मुझे यूं भुला ना पाओगेश्श्श्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें संगीत और कला क्षेत्र की आठ विभूतियों को लता मंगेशकर सम्मान से नवाजा गया। यह आयोजन स्वर कोकिला स्व. लता मंगेशकर और प्रसिद्ध भोजपुरी गायिका स्व. शारदा सिन्हा को समर्पित रहा। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दोनों महान गायिकाओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, एमएलसी पवन सिंह चौहान और पद्मश्री विद्या विंदु सिंह ने संगीत और कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया। इनमें पं. राम मोहन महाराज (कथक गुरु), डॉ. सीमा भारद्वाज (शास्त्रीय– सुगम गायिका), डॉ. हरिओम (सचिव व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास), पं. रामेश्वर प्रसाद मिश्र (शास्त्रीय गायक), डॉ. सृष्टि माथुर (विभागाध्यक्ष–शास्त्रीय गायन भातखंडे संस्कृति विवि), तरुण राज (पूर्व सचिव उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी), हास्य कवि सर्वेश अस्थाना और शेख मोहम्मद इब्राहिम (तबला वादक) शामिल रहे। लोक नृत्यांगना और उड़ान संस्था की अध्यक्ष सरिता सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। भोजपुरी समाज के अध्यक्ष प्रभुनाथ राय, उस्ताद युगान्तर सिंदूर, पं. राज खुशीराम और फिल्म अभिनेता संदीप यादव आदि मौजूद रहे। सम्मान समारोह से पहले सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मौजूद दर्शकों का मन मोह लिया। शुभारंभ स्वरा त्रिपाठी ने गणेश वंदना पर भाव नृत्य से किया। नीतू शर्मा, सविता कनौजिया, सीमा राय, कल्पना, खुशबू, नीरज, आभा श्रीवास्तव, निशा, शालिनी, पूजा पांडे, अल्का ने तूने ओ रंगीले कैसा जादू किया... गीत पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।रितिका सक्सेना, सुनीता गुप्ता, रेखा चौधरी, मोहिनी ढपोला, उषा तिवारी, भारती सिंह, कल्पना त्रिपाठी और कुसुम पांडे ने हाय शरमाऊं किस किस को बताऊं... गीत पर शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी। स्वरा त्रिपाठी, जानवी गुप्ता, अधिरा यादव, अदिति गौतम, गिरीश कुमारी, उषा सिंह, आराध्या यादव, आलिया खान, अविरल, तनिष्का, भव्या, अनुकृति, वैष्णवी, आव्या, ईशान्वी, मिस्टी केसरवानी, जिया, आकांक्षा, कृतिका और ऐश्वर्या ने छाप तिलक सब छीनी तोसे नैना लगाइके... गीत पर मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। अमोदिता, आध्या भट्टाचार्य, रिद्धिमा कश्यप, आरनी दिनेश, मयंक, प्रजवी, आद्या सिंह, अनुप्रिया शुक्ला, भव्या अस्थाना, अनय, अद्विता प्रताप सिंह, कृष्णा, अरनव सिंह, शाश्वत और केसर ने ऐ काश किसी दिवाने को... गीत पर नृत्य किया।

ठगी की रकम खाते में मंगवाने वाले भी बनाए जाएंगे आरोपी

लखनऊ, (संवाददाता)। चीनी साइबर ठगों के लिए काम कर रहे आठ एजेंटों को गिरफ्तार करने के बाद अब पुलिस ठगी की रकम खाते में मंगवाने वाले खाताधारकों को भी आरोपी बनाएगी। पुलिस सभी खाताधारकों की सूची तैयार कर रही है। लालच में खाताधारकों ने एजेंटों को अपने खाते ऑपरेट करने लिए दिए थे। एसीपी साइबर क्राइम अभिवन यादव ने बताया कि पकड़े गए एजेटों ने पूछताछ में इस बात का खुलासा किया था कि उन लोगों ने सैकड़ों लोगों के खाते ठगी की रकम मंगवाने के लिए किराए पर लिए थे। इसके एवज में खाताधारकों को प्रति ट्रांजेक्शन के हिसाब से रुपये देते थे। ठगी की रकम खाते में आने के बाद एजेंट उस रकम को निकाल कर यूएसडीटी या क्रिप्टो करेंसी में बदल कर सीधे चीन में बैठ जालसाजों को भेज देते थे। एसीपी ने बताया कि खाते का गलत इस्तेमाल करने वाले खाताधारकों की सूची काफी लंबी है, एक–एक को चिह्नित कर आरोपी बनाया जाएगा। बीच की कई कड़ियां अभी जुड़नी बाकी एसीपी ने बताया कि पुलिस के हत्थे चढ़े एजेंट जालसाजी गैंग की पहली कड़ी हैं। वह लोग अलग–अलग सोशल मीडिया प्लेटफार्म से चीनी जालसाजों से जुड़े हैं। इन प्लेटफार्म का संचालन अलग–अलग लोग देश के अलग–अलग हिस्सों में बैठक कर करते हैं। आरोपियों के मोबाइल फोन से कुछ चीनी जालसाजों के नाम व पते भी साइबर क्राइम थाने की टीम को मिले हैं।

पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा में अयोध्या के आशीष तिवारी ने किया टॉप

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।उत्तर प्रदेश पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा ग्रुप डी में जनपद अयोध्या के सरदार वल्लभभाई पटेल शिक्षण संस्थान इंटर कॉलेज पूर्व नाम आदर्श इंटर कॉलेज रामपुर भगन के छात्र आशीष तिवारी पुत्र संतोष कुमार तिवारी ने सर्वाधिक अंक पाकर टॉप किया है।आशीष तिवारी ने अपने विद्यालय, गुरुजनों, गांव ,परिवार तथा जनपद का नाम रोशन किया है।उक्त जानकारी देते हुए विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष घनश्याम वर्मा ने बताया कि आशीष तिवारी पुत्र संतोष कुमार तिवारी जिसका क्रमांक 2501000 3042 है पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा 2025 में के ग्रुप डी में सर्वाधिक348/400 अंक प्राप्त किया है जो उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक अंक हैं। इसके पूर्व में भी वर्ष 2013 और 2014 में सरदार वल्लभभाई पटेल शिक्षण संस्थान के बच्चों ने पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा टॉप किया है।

डायल 112 में शामिल 14 वाहनों को एसएसपी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अयोध्या।पुलिस मुख्यालय द्वारा अयोध्या पुलिस को अत्याधुनिक तकनीकी से लैश 14 स्कार्पियो वाहन डायल 112 मिली। जिसे मंगलवार को पुलिस लाइन परिसर से एसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर ने हरी झंडी दिखाकर जिले के विभिन्न स्थानों के लिए रवाना किया।इस मौके पर उन्होंने बताया के

मुख्यालय से आई हुई सभी 14 वाहन अत्याधुनिक तकनीक से लैस है।बताया कि लोगों की सुरक्षा व आपात कालीन सेवाओं हेतु पूरे प्रदेश मे डायल 112 के वाहनों के माध्यम से सेवाएँ निभायी जा रही हैं। जिले में इस वाहन के मिलने से अपराध रोकने में और सहायता मिलेगी।वही मददगारों की समय रहते यूपी डायल 112 पर तैनात कर्मियों की पहुंचकर मदद करने में आसानी होगी।इस मौके पर सीओ सदर योगेंद्र कुमार, निरीक्षक अशोक कुमार यादव, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन शहीद कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा सर्पदंश से बचाव हेतु एडवाइजरी जारी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने अवगत कराया है कि सर्पदंश से बचाव हेतु क्या करें – सबसे पहले पीड़ित व्यक्ति को सोने न दें एवं किसी भी प्रकार की शारीरिक क्रिया न करने दें। जिस व्यक्ति को सांप ने काटा है उस व्यक्ति की घबराहट को दूर करें। क्यों कि उसे जितनी घबराहट होगी, उतनी तेजी से उसके शरीर में जहर फैलता जायेगा। घाव को साबुन एवं साफ पानी से धोएं। मरीज के घाव से किसी भी प्रकार की छेड़–छाड़ न करें। पीड़ित व्यक्ति को नजदीक के चिकित्सालय ले जाएं जहॉ पर डाक्टर एवं एण्टीवेनम उपलब्ध हों। तुरन्त एम्बुलेंस को 1070/112 पर काल करें। क्या न करें – सांप के जहर को कभी भी चूसकर निकालने की कोशिश न करें, अपने मन से किसी भी प्रकार की दवाई मरीज को न दें, पीड़ित व्यक्ति के सर्पदंश वाले भाग पर किसी भी प्रकार का मलहम न लगायें, सपेरे अथवा तांत्रिक के चक्कर में न पडेंद्द, सांप को अकेला छोड़ दें, कई बार सांप के ज्यादा नजदीक आने के कारण लोग सर्पदंश का शिकार बन जाते है। अपने हाथ व पैर को उन स्थानों से यथासंभव दूर रखे, जहॉ पर आपकी दृष्टि न पड़ती हो, जब तक आप सांप की आक्रमण परिधि से सुरक्षित दूरी पर न हों, पत्थर व लकड़ी से मारने का प्रयास न करें। यदि मजबूत चमडेद्द के जूते न पहने हों तो ऊंची घास वाले स्थानों से दूर रहें। जहॉ तक संभव हो स्वयं को पगडण्डियों तक सीमित रखें।

छात्रवृत्ति के लिए छात्र/छात्राओं के आवेदन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने जनपद स्थित समस्त मदरसोंधशिक्षण संस्थाओं एवं अल्पसंख्यक छात्रध्छात्राओं को अवगत कराया है शैक्षणिक सत्र 2025–26 में राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत पूर्वदशम् एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा 9–12) योजनान्तर्गत छात्रवृत्ति आवेदन हेतु तिथि निर्धारित की गयी है, पूर्वदशम् छात्रवृत्ति (9–10 एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा 11–12) तक के छात्रध्छात्राओं के आवेदन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2025, इंस्टीट्यूट वेरीफिकेशन की अन्तिम तिथि 06 नवम्बर 2025 तक है।

फतेहगंज क्षेत्र मे अनियंत्रित फर्सर्च्यूनर से कई वाहन क्षतिग्रस्त

अयोध्या। सोमवार की रात कोतवाली नगर क्षेत्र के फतेहगंज ओवर ब्रिज के नीचे तेज रफ्तार से आ रही फॉर्च्यूनर अनियंत्रित हो गई।देखते ही देखते फॉर्च्यूनर की चपेट में कई वाहन आकर क्षतिग्रस्त हो गए। जिसके चलते उसे समय थोड़ी देर के लिए अफरा तफरी का माहौल बना रहा। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कई वाहन तो छटग्रस्त हुए लेकिन किसी व्यक्ति को चोट नहीं लगी। वही प्रत्यक्ष दर्शियों का मानना है कि फॉर्च्यूनर चालक नशे में था।इस हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उक्त फॉर्च्यूनर को चालक सहित गिरफ्तार कर अपने कब्जे में ले लिया।गिरफ्तार किए गए चालक की पहचान रौनाही थाना क्षेत्र के दौलतपुर निवासी हमजन खान के रूप में हुई है।

महिला एसओ ने पैदल गस्त कर लोगो को दिलाया सुरक्षा का भरोसा

अयोध्या।सोमवार की देर शाम महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला ने उप निरीक्षक संजीव मिश्रा के साथ शहर के विभिन्न चौराहा पर पैदल गस्त कर आम जनमानस मे सुरक्षा को लेकर भरोसा दिलाया।इस मौके पर सड़कों की दोनों तरफ अतिक्रमण किए हुए चार पहिया तथा दो पहिया वाहनों को हटवाते हुए उनके स्वामियों को चेतावनी दिया।उन्होंने रिकाबगंज चौराहे के अलावा चौक, बजाजा सहित अन्य प्रमुख चौराहों पर जाकर पैदल ग्रस्त किया।इस दौरान उन्होंने इसके अलावा महिलाओं तथा बालिकाओं को उनके सुरक्षा के जागरूक किया। वहीं शासन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया।इसके अलावा उन्होंने महिलाओ व बालिकाओं को मिशनशक्ति –5 के तहत 1090 – महिला पावर लाइन, 181 – महिला हेल्पलाइन,112 – आपातकालीन सेवा (पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस के लिए)1076

उद्योगों एवं कृषि को बढ़ावा देने के लिए बैंक की विभिन्न योजनाओं के बारे में ग्राहक बंधुओं को विस्तृत जानकारी दी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। यूको बैंक लखनऊ अंचल द्वारा होटल दयाल गेट वे , गोमती नगर में सूक्ष्ध्म, लद्यु एवं मध्यम उद्योगों तथा कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई एवं एग्री कार्निवाल का आयोजन किया गया। इस कार्निवाल में यूको बैंक के प्रधान कार्यालय से पधारे उप महाप्रबंधक भोर नीलेश विजय मुख्ध्य अतिथि थे।

एम०एस०एम०ई० एवं एग्री कार्निवाल में यूको बैंक लखनऊ अंचल के अंचल प्रमुख आशुतोष सिंह, एम०एस०एम०ई० एवं एग्री हब लखनऊ के सहायक महाप्रबंधक पूर्बोशीष चक्रोवोर्ती, रीटेल ऋण हब लखनऊ के सहायक महाप्रबंधक नीमेषदीप, मुख्ध्य प्रबंधक संतोष कुमार सिन्ध्हा एवं शाखा प्रमुख व गणमान्ध्य ग्राहक बंधु उपस्थित थे।

यूको बैंक द्वारा संपूर्ण भारत में 21.04.2025 से एम०एस०एम०ई० एवं एग्री कार्निवाल मनाया जा रहा है। आज आयोजित कार्निवाल जून 2025 तिमाही का अंतिम कार्निवाल था। 21.04.2025 से अभी तक यूको बैंक लखनऊ अंचल में कृषि क्षेत्र में कुल 27 करोड़ के ऋण स्ध्वीकृत किए गए तथा एमएसएमई क्षेत्र में 54 करोड़ के ऋण स्ध्वीकृत किए गए। ।

इस कार्निवाल का उद्देश्ध्य उद्यम से समृद्धि, कृषि से उन्ध्नति के लक्ष्ध्य को प्राप्ध्त करना था। कार्निवाल में यूको बैंक द्वारा सूक्ष्ध्म, लद्यु एवं मध्ध्यम क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों पर विस्ध्तृत चर्चा की गई । यूको बैंक लखनऊ अंचल के एम०एस०एम०ई० के सहायक महाप्रबंधक पूर्बोशीष चक्रोवोर्ती ने स्ध्वागत संबोधन दिया एवं उद्योगों एवं कृषि को बढ़ावा देने के लिए बैंक की विभिन्ध्न योजनाओं के बारे में ग्राहक बंधुओं को विस्ध्तृत जानकारी दी ।

यूको बैंक के प्रधान कार्यालय के मिड कारपोरेट विभाग से पधारे उप महाप्रबंधक भोर नीलेश विजय ने ग्राहकों द्वारा पूछे गए प्रश्ध्नों का उत्ध्तर दिया। लखनऊ अंचल के अंचल प्रमुख आशुतोष सिंह ने आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि हमारा बैंक हमेशा से ही अपने ग्राहकों की सभी प्रकार की आवश्ध्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्ध्न प्रकार की योजनाएं लॉच करता रहता है। हमें खुशी है कि हम सफलता से अपने एम०एस०एम०ई एवं कृषि क्षेत्र के ग्राहकों को भी ऋण एवं अन्ध्य सुविधाएं उपलब्ध्ध करवा कर राष्ट्र की प्रगति में भागीदारी करने के अवसर का लाभ उठा रहे हैं।

मो. मुस्तफा बने लायन्स क्लब के डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर लायन्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट (मण्डल) 321ई के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ अर्पण धर दुबे ने लायन्स क्लब जौनपुर मेन के सदस्य सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा को डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मनोनीत किया है, सोमवार को जौनपुर आये एक कार्यक्रम में उन्होंने मुस्तफा को डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर का नेम बैच लगाकर अभिनन्दन किया। ज्ञात हो कि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने विगत दिनो लायन्स कांफ्रेंस मनाली मे इसकी घोषणा किया था। इस अवसर पर डॉ अर्पण धर दुबे ने बताया कि सै मो मुस्तफा सदैव कर्मठता व सक्रियता के साथ सेवा कार्यों सहित सभी कार्यो को करते है और उनकी नेतृत्व क्षमता को भी पूरा मंडल बखूबी जानता है। इसीलिए इन्हें डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बनाया गया है। आगे उन्होंने कहा कि डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के कार्य– क्लबों का दौरा करना, बैठको मे भाग लेना और सदस्यों को मार्गदर्शन प्रदान करना, क्लबो के बीच समन्वय स्थापित करना, और यह सुनिश्चित करना कि सभी क्लब व पदाधिकारी अपने लक्ष्यों व नीतियों के अनुसार काम करे। विशेष कर सदस्यता बढ़ाने नये सदस्यों को आकर्षित करने और मंडल व इंटरनेशनल द्वारा निर्धारित सेवा कार्यक्रमो को कराने व रिपोर्टिंग करने के साथ ही साथ प्रशिक्षण मे सहभागिता कराना है। जीएटी एरिया लीडर डॉ क्षितिज शर्मा ने बताया कि लायन्स इंटरनेशनल में, डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एक महत्वपूर्ण पद है जो डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की सहायता करते है। वे क्लबों के प्रशासन और गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए क्लबों के सुचारू कामकाज और विकास में योगदान देते है। पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद दिनेश टंडन ने मो मुस्तफा के डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये लायन्स परिवार के साथ ही जौनपुर के लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर, सीए राजेराज गुप्ता, वरिष्ठ ह्दय व डायबिटीज रोग विशेषज्ञ डॉ वी एस उपाध्याय, डॉ अजीत कपूर, डॉ एन के सिन्हा, डॉ एम एम वर्मा, अरूण त्रिपाठी, शकील अहमद, मनोज चतुर्वेदी, संजय केडिया, मनीष गुप्ता, शशांक सिंह रानू, अजय गुप्ता, मनीष अग्रहरी, प्रतिमा गुप्ता, डॉ सूरज जायसवाल, आशीष त्रिपाठी, विष्णु सहाय आदि सहित लायन्स मेन, गोमती, क्षितिज, रायल, सूरज, पवन व शाहगंज स्टार क्लबों के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दिया।

रामकोट,कौशल्या घाट पर हो रहे निर्माण कार्यों का कमिश्नर ने किया निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।कमिश्नर गौरव दयाल ने मंगलवार को अयोध्या नगर क्षेत्र में तीन प्रमुख निर्माण परियोजनाओ यथा श्रीराम मंदिर के निकट रामकोट क्षेत्र में मेकेनाइज्ड स्मार्ट पार्किंग, कौशल्या घाट स्थित सर्किट हाउस (ळ3) एवं निर्माणाधीन वीवीआईपी गेस्ट हाउस का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने,निर्धारित समय–सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा नागरिकों और पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक गतिविधि को योजनाबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने के निर्देश संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को दिए।बताते चले कि रामकोट मे बन रहे स्मार्ट पार्किंग यह परियोजना 6504.34 लाख की लागत से संचालित की जा रही है,जिसमें 474 वाहनों की पार्किंग क्षमता विकसित की जा रही है।इसके अंतर्गत बहुस्तरीय(B2+B1+G+1+G+2) पजल पार्किंग के साथ डोरमेट्री, शॉप कॉम्प्लेक्स, पब्लिक टॉयलेट, सिक्योरिटी केबिन, पंप रूम, यूजीडब्ल्यूटी एवं फायर सिस्टम की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया कि भूमि से जुड़ी शेष औपचारिकताओं को शीघ्र निस्तारित कर कार्य को बिना बाधा के पूर्ण कराया जाए। उन्होंने आगंतुकों के लिए सुविधाजनक, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित करने पर बल दिया। अब तक 2276.52 लाख की धनराशि व्यय की जा चुकी है।

कौशल्या घाट पर बन रहे सर्किट हाउस (G+3) रुपये 1670.93 लाख की स्वीकृत लागत से निर्माणाधीन है। मण्डलायुक्त ने इसकी स्थापत्य योजना का अवलोकन करते हुए निर्देशित किया कि भवन स्थानीय संस्कृति को परिलक्षित करे तथा विशिष्ट जनों के ठहराव हेतु सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त हो।भवन में भूतल पर कांफ्रेंस हॉल, किचन, स्टोर के साथ 6 कक्ष तथा प्रथम, द्वितीय व तृतीय तल पर क्रमशः 12–12 सुइट्स, वीआईपी सुइट्स एवं लाउंजध्मीटिंग एरिया प्रस्तावित हैं।यह कार्य 12 मार्च 2025 से प्रारंभ हुआ है,।

श्री गणपति पूजा महासमिति की विशेष बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव ?

जौनपुर। शहर के पंजाबी मार्केट सभागार में श्री गणपति पूजा महासमिति की विशेष बैठक मुख्य संरक्षक अवधेश चतुर्वेदी की अध्यक्षता में हुई जहां सर्वप्रथम भगवान श्री गणेश की स्तुति के उपरान्त आगामी श्री गणेश चतुर्थी के पर्व पर मनाये जाने वाले श्री गणेशोत्सव के मद्देनजर नई कार्यकारिणी का चयन किया गया। उपस्थित संरक्षक सदस्यगण की सहमति से दीपक जावा अध्यक्ष, पवन दुबे महासचिव, विशाल खत्री कोषाध्यक्ष चुने गये जिनका स्वागत उपस्थित पदाधिकारियों ने करतल ध्वनि के साथ फूलकृमालाओं से किया।

उक्त अवसर पर अवधेश चतुर्वेदी ने कहा कि हमे आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि नई कार्यकारिणी आपसी सामंजस्य बनाकर बेहतर कार्य करेगी।

आभार प्रकट करते हुये वर्तमान अध्यक्ष संजय जांडवानी ने कहा कि आप लोगों ने जिस तरह से विश्वास व भरोसा करके मुझे दायित्व सौंपा, मैं सभी का आभारी हूं। साथ ही नयी कार्यकारिणी को भी विश्वास दिलाता हूं कि आप लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए प्रतिबद्ध हूं और महासमिति की गरिमा बनाये रखने के लिये सदैव तत्पर रहूंगा।

कार्यक्रम का संचालन मुख्य ट्रस्टी संजीव यादव व संयोजक नवीन सिंह ने संयुक्त रूप से करते हुये नई कार्यकारिणी को बधाई दिया। साथ ही पूर्ण रूप से सहयोग करने का भरोसा जताया। इसी क्रम में लोलारक दुबे पत्रकार, अरशद कुरैशी, हरिद्वारी विश्वकर्मा एडवोकेट, डॉ0 अतुल प्रकाश यादव जिलाध्यक्ष शिक्षक संघ, जगदीश प्रसाद मौर्य सभासद, शशि श्रीवास्तव एडवोकेट, शिक्षक नेता अतुल सिंह, उर्वशी सिंह एडवोकेट, विक्रम मौर्य, डा. अंजना सिंह, नीरज शाह, आनन्द अग्रहरि, संजय प्रजापति आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर मनोज मौर्या, चन्द्रकेश यादव, पंकज जाण्डवानी, संतोष पाण्डेय, मिंटू, अदालत यादव, सुमित अग्रहरि, प्रिंस सेठ, आशीष बोस, अजय यादव, कुंदन यादव, प्रमोद ओमर, प्रीतम साहू, अभिषेक सेठ, हर्षित गुप्ता, पवन मोदनवाल, रंजीत साहू, प्रभात सेठ, राकेश सेठ, रंजीत मौर्या, प्रेमदर्शन विश्वकर्मा, कमल सेठी, डब्लू मौर्या, ईशान चतुर्वेदी, पृथु गुप्ता, वंश सेठ सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

दवा व्यवसाईयों को निर्भीकता से काम करना चाहिए कानून का राज है : गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन जौनपुर के तत्वाधान से आर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स उत्तर प्रदेश के जोन 1 का सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन केशवपुर स्थित एक होटल में संपन्न हुआ । प्रदेश के 33 जिलो के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव रहे , सभा की अध्यक्षता

ओ0 सी0 डी0 यूपी के अध्यक्ष दिवाकर सिंह ने किया अतिथियों का स्वागत ओ0सी0डी0 यूपी के जोन महामंत्री श्याम सिंह ने किया, विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारीयो ने सभा के ओपन सेसन में दवा व्यापार से संबंधित समस्याओं को ओ0सी0डी0 यूपी के महामंत्री सुधीर अग्रवाल के सामने रखें जैसे ड्रग लाइसेंस के पोर्टल पर ड्रग लाइसेंस नवीनीकरण एवं पोर्टल से लाइसेंस संबंधित अन्य समस्याएं, दवा कंपनियों के मनमाना व्यवहार,दवाओं में अंधाधुन डिस्काउंट से उपजी समस्या,विगागीय उत्पीड़न प्राइवेट हॉस्पिटल में कंपनियों द्वारा सीधे सप्लाई तथा मोनोपॉली दवाओं की बिक्री जिसकी उपलब्धता बाजार में नही होती है, ओसीडी यूपी के महामंत्री सुधीर अग्रवाल ने मंत्री को केंद्र सरकार द्वारा वन नेशन वन पोर्टल ऑनलाइन नेशनल ड्रग लाइसेंसिंग सिस्टम (व्छक्स्)में प्रदेश सरकार का निवेश मित्र से डेटा ट्रान्सफर ना हो पाने से नवीनीकरण संबंधित समस्याओं तथा सदन के माध्यम से उपजे अन्य चिंताओं से अवगत कराया साथ में उन्होंने ऑनलाइन दवा बिक्री से समाज में पढ़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव के बारे में अवगत कराए

मुख्य अतिथि राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने सभा में आए हुए विभिन्न जिलों के प्रतिनिधियों का प्रशंसा करते हुए कहा कि दवा व्यवसायी का समाज के प्रति प्रतिबद्धता सराहनी है, आपदा हो या कोई मानवीय संकट हो तो दवा संगठन उपलब्ध रहता है। उन्होंने महामंत्री द्वारा उठाए गए मुद्दे, जैसे निवेश मित्र से ओ0एन0डी0एल0एस0 पोर्टल पर डाटा ट्रांसफर ना हो पाने की समस्या के निराकरण हेतु आश्वासन दिया, उन्होंने ऑनलाइन दवा बिक्री के दुरुपयोग की आशंका को स्वीकार किया तथा इस पर आगे बात करेंगे, उन्होंने विभागीय उत्पीड़न पर कहा कि दवा व्यवसाईयों को निर्भीकता से काम करना चाहिए कानून का राज्य है किसी की धमकी को स्वीकार नहीं करना है,यदि इस तरह कोई मामला संज्ञान में आएगा तो उस पर कार्यवाही होगी,महामंत्री के अनुरोध पर ओ सी डी यूपी की लखनऊ में आगामी सभा के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी के समय के लिए उन्होंने आश्वासन दिया कि समय दिलवाने का प्रयास करेंगे मंच पर उपस्थित अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में ओ सी डी यूपी के अध्यक्ष राणा चावला, कोषाध्यक्ष महेश अग्रवाल, संगठन मंत्री शैलेंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपाध्यक्ष परमजीत सिंह , पी आर ओ योगेंद्र नाथ दुबे ,मीडिया प्रभारी राजेश सिंह ने अपने वक्तव्य को मंच से रखें , ओ सी डी यूपी के जोन 1 के अध्यक्ष नागमणि मिश्रा ने जोन संबंधित समस्याओं को महामंत्री को अवगत कराया ,जिसे महामंत्री ने समाधान के लिए आश्वासन दिए, सभा की अध्यक्षता कर रहे ओसीडी यूपी के अध्यक्ष दिवाकर सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने सभी को सही एवं सुरक्षित व्यवसाय करने के लिए कहा ,उन्होंने कहा कि दवा व्यवसाय केवल व्यवसाय ही नहीं बल्कि सेवा का माध्यम है,मनमाना डिस्काउंट पर चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि इससे व्यवसाय समाप्त हो जायेगा इससे किसी का भला नहीं होगा,हॉस्पिटल में

मोनोपोली दवा की बिक्री जिस पर मनमाना मूल्य और जिसकी उपलब्धता बाहर नही होती है ऐसी कंपनियों को चिन्हित किया जाय ,अंत में सभा का समापन करते हुए उन्होंने मंचस्थ और सभा में आए हुए सभी प्रतिनिधियो का आभार प्रकट किया तथा सम्मेलन को सफल बनने में केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन जौनपुर के पदाधिकारियों के योगदान को सराहा और धन्यवाद दिया। संचालन चेयरमैन शकील अहमद ने किया।इस अवसर पर संस्था के महामंत्री वंशीधर मौर्य ,अखिलेश श्रीवास्तव, संजीव कुमार सिंह,आशुतोष सिंह,कमल कुमार,आनंद साहू,विकास गुप्ता ,प्रशांत मौर्य,अनिल कुमार,प्रशांत सिंह,महेश पाण्डेय,नीतीश श्रीवास्तव, श्याम गुप्ता,अवधेश्वर केसरवानी,अखिलेश प्रजापति,सुनील गुप्ता, विनय गुप्ता,दीपक श्रीवास्तव रामकृपाल जायसवाल,धनजय सिंह,श्याम वर्मा,संरक्षक मंडल से राजदेव यादव,विनय गुप्ता और सोमेश्वर केसरवानी उपस्थित रहे।

पेड़ वाले बाबा गौहर अली ने पर्यावरण रक्षा के लिये मुख्यमंती को भेजा पत

बस्ती, (संवाददाता)। अपनों के बीच पेड वाले बाबा के नाम से चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता गौहर अली ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर बढ़ते हुए प्रदूषण को रोकने, पर्यावरण रक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। उन्होने आग्रह किया है कि यदि सुझावों को जमीनी धरातल पर लागू किया जाय तो पर्यावरण रक्षा की दिशा में रचनात्मक पहल होगी। गौहर अली ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा है कि पूरे दुनिया में बढ़ते हुए प्रदूषण को देखते हुए और वृक्षों की संख्या लगातार कम हाने की स्थिति में वायु ,जल ,ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगे और ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर हम पर्यावरण की रक्षा करें । सेटेलाइट से सर्वे कर वृक्षों का डाटा इकट्ठा किया जाए उसमें कितने वृक्षों का अवैध कटान हो रहा है उस पर बहुत सख्त कार्रवाई हो । मानसून सत्र में जो भी पौधे लगाए जाएं उनका जियो टैगिंग हो और जब तक बड़े ना हो उनके देखभाल पूरा किया जाए सिर्फ फोटो खिंचवाकर रिकॉर्ड ना बनवाया जाए

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।